जैसलमेर के मूलसागर में पाक विस्थापितों को ज़मीन आवंटित

जैसलमेर कलैक्टर ने मूल सागर में यू.आई.टी. की ज़मीन पाक विस्थापितों को आवंटित की है

जैसलमेर, 25 मई (नि.सं.)। पाक विस्थापितों के घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें इस तपती गर्मी में बेघर करने के मामले में हुये विरोध, आलोचनाओं और शिकायतों के बाद जिला कलैक्टर टीना डाबी ने इस मामले को शांत कराने का प्रयास किया है। उन्होंने पाक विस्थापितों को पुनः बसाने के लिए अन्यत्र जमीन चिन्हित कर दी है।

- मूल सागर गांव जैसलमेर मुख्यालय से 7 किलोमीटर दूर है और यहां पर 40 बीघा ज़मीन विस्थापितों को दी गई है।
- कलैक्टर टीना डाबी खुद पाक विस्थापितों के बीच गईं व उन्हें ज़मीन आवंटित की। इस दौरान लोगों ने टीना डाबी का शानदार स्वागत किया।
- ज्ञातव्य है कि, टीना डाबी ने ही अमर सागर से विस्थापितों के घरों पर बुलडोज़र चलवाया था। उन्होंने यह कदम गांव के पूर्व सरपंच की शिकायत पर उठाया था, जिसके लिए उनकी कड़ी आलोचना हुई थी।

गौरतलब है कि, जैसलमेर विधायक के दबाव में आकर कलैक्टर टीना डाबी ने आनन-फानन में जो फैसला लिया था उसके कारण पाक विस्थापितों को तपती गर्मी एवं धूप में घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, इससे पहले की यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर विरोध का विषय बनता उन्होंने मामले को शांत करवाने का उपाय ढूंढकर विधायक रुपाराम और पाक विस्थापितों, दोनों को ही राजी कर दिया है।

उन्होंने जैसलमेर मुख्यालय से 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मूलसागर गांव की आबादी भूमि से 5 सौ मीटर की हद में जिला प्रशासन की पहल पर यू.आई.टी. ने 40 बीघा जमीन मुहैया करवाई है। जिला कलैक्टर टीना डाबी इस जमीन पर पाक विस्थापित परिवारों के बीच पहुंची और वहां पहुंचने पर उनका भावपूर्ण अंदाज में महिलाओं व पुरुषों ने स्वागत किया।

कलैक्टर का आभार जताने वालों में सीमांत लोक संगठन के अध्यक्ष हिंदूसिंह सोढ़ा भी इस मौके पर मौजूद रहे। विस्थापित परिवारों की महिलाओं के बीच जमीन पर बैठी कलैक्टर ने मिठाई मंगवाकर उनका मुंह मीठा करवाया तो एक वृद्धा ने पहले उनके हाथ से मिठाई लेकर उन्हें खिलाते हुए आशीर्वाद दिया कि, अवश्य उनके बेटा होगा और वे बहुत खुश रहेंगी। इस पर हंसते हुए कलैक्टर ने कहा कि, बेटी होगी तो भी चलेगी। कलैक्टर ने घूंघट से चेहरा ढंके महिलाओं से कहा कि, वे चेहरा तो दिखाएं। इस पर अनेक महिलाओं ने बहुत अनौपचारिक अंदाज में उनसे बातें की।

जैसलमेर कलैक्टर टीना डाबी ने अमानवीय तरीके से पाक विस्थापितों के घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर करने के बाद उपजे विरोध और आलोचनाओं को शांत करने का प्रयास किया। गुरूवार को टीना डाबी खुद पाक विस्थापितों के बीच पहुंचीं। उन्होंने बताया कि, पाक विस्थापितों के लिए यू.आई.टी. की अन्यत्र जमीन आवंटित कर दी गई है। उन्होंने पाक विस्थापित परिवारों की महिलाओं के बीच बैठकर उनसे बातचीत की।

जिला कलैक्टर ने बताया कि, अमरसागर में कैचमेंट एरिया में और किसी अन्य को आवंटितशुदा भूखंड पर काबिज होने से पाकिस्तान से आए विस्थापितों को हटाने की कार्रवाई पूर्व सरपंच की शिकायतों पर की गई। इसके बाद विस्थापितों की मांग पर उनके रहने की तत्काल व्यवस्था करते हुए रैन बसेरे में रहने-खाने की व्यवस्था की गई और हमने वादा किया था कि, एक सप्ताह में उनके स्थायी रूप से बसने के लिए जमीन मुहैया करवाई जाएगी। इस बात की खुशी है कि, यह वादा तयशुदा समय से पहले पूरा किया गया। अब मूलसागर में आबादी भूमि से 5 सौ मीटर की परिधि में 40 बीघा जमीन केवल विस्थापितों के लिए आरक्षित की गई है।

जहां वे सुकून के साथ रह सकेंगे उन्हें उजाड़े जाने की कोई चिंता नहीं रहेगी। जिन्हें नागरिकता मिल चुकी है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर अपनी जमीन का पट्टा भी ले सकेंगे। जिनके पास अभी नागरिकता नहीं है, उन्हें भी यहां रहने में कोई परेशानी नहीं होगी।

कलैक्टर ने पीने के लिए पानी व बिजरी आदि आवश्यक व्यवस्थाएं भी जल्द करवाने का भरोसा दिलाया। हिंदूसिंह सोढ़ा ने कहा कि जब अमरसागर में कब्जे हटाने की कार्रवाई हुई तभी से वे जिला कलैक्टर के सम्पर्क में थे।

इस मौके पर यू.आई.टी. सचिव जगदीश सिंह आशिया सहित जिला प्रशासन व यूआइटी के कई अधिकारी व कार्मिक मौजूद रहे।

कर्नाटक भाजपा विधायक पर एफ.आई.आर. दर्ज

मेंगलुरु, 25 मई (वार्ता)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर 24 हिंदुओं की हत्या में शामिल होने का कथित रूप से आरोप लगाने वाले भाजपा विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

पूंजा ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित रूप से यह टिप्पणी 22 मई को बेलथांगडी में एक जीत समारोह के दौरान की थी, जिसका आयोजन उनके दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी से विधायक के रूप में पुनः निर्वाचित होने के बाद किया गया था।

- कर्नाटक के मु.मंत्री सिद्धारमैया पर 24 हिंदुओं की हत्या में शामिल होने का कथित रूप से आरोप लगाने के मामले में भाजपा विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पूंजा सामने आए एक वीडियो में कथित रूप से सिद्धारमैया पर 24 हिंदुओं की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

सिद्धारमैया के खिलाफ कथित आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कर्नाटक कांग्रेस द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज की गई और उनके बाद विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पूंजा की विवादास्पद टिप्पणी की निंदा करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस ने पुलिस से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

'ऑस्ट्रेलिया में उनका पूरा विपक्ष मौजूद था'

नई दिल्ली, 25 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के अपने तीन दिनों के दौरे से गुरुवार सुबह लौट आए। दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित करते हुए ऑस्ट्रेलिया की लोकतांत्रिक परम्परा का जिक्र किया तो वहीं इशारों में विपक्ष को भी सुना दिया। उन्होंने कहा कि, सिडनी में भारतीय समुदाय का जो कार्यक्रम में था, उसमें ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री, सांसद, विपक्षी दलों के नेता भी शामिल थे। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र की ताकत है। उन सभी लोगों ने साथ मिलकर भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

- प्र.मंत्री मोदी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान ऑस्ट्रेलिया की लोकतांत्रिक परम्परा का वर्णन कर कांग्रेस और विपक्ष को जमकर घेरने का प्रयास किया।
- प्र.मंत्री मोदी ने कहा कि, सिडनी में 23 मई को भारतीय समुदाय का जो कार्यक्रम था, उसमें ऑस्ट्रेलिया के प्र.मंत्री एंथनी अल्बनीज़ के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री, सांसद, विपक्षी दलों के अधिकांश नेता भी शामिल थे। उन्होंने कहा, यही लोकतंत्र की ताकत है।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने किसी का जिक्र तो नहीं किया, लेकिन उनका इशारा साफ था। उन्होंने ऐसे वक्त में यह बात कही है, जब नए संसद भवन के उद्घाटन का 19 विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। इस तरह पीएम नरेंद्र मोदी ने जब ऑस्ट्रेलिया के विपक्ष के भी कार्यक्रम में रहने की बात कही तो उन्होंने एक तरह से भारत में विपक्षी दलों के बायकॉट पर भी निशाना साध दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने वहां जिन भी लोगों और नेताओं से मुलाकात की, सभी ने भारत की जमकर तारीफ की। उन सभी लोगों ने हमारी तरफ से जी-20 की मेजबानी की सराहनी की और यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात रही। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत जापान से की थी। वह वहां जी-7 देशों के समिट में शामिल हुए थे। इसके बाद वह पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे। इस द्वीपीय देश की यात्रा रणनीतिक और कूटनीतिक लिहाज से बेहद अहम है। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने वहां के पीएम एंथनी अल्बनीज समेत विपक्ष के कई नेताओं से भी मुलाकात की। यही नहीं भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

'कश्मीर में जी-20 बैठक का पाकिस्तान ने जमकर दुष्प्रचार किया'

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यह भी दावा किया कि, भारतीय सुरक्षाबलों की चौकसी के कारण जी-20 बैठक बेहद शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में गुरुवार को सम्पन्न हुई है

श्रीनगर, 25 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में तीन दिवसीय महत्वपूर्ण जी-20 गुरुवार को शांतिपूण तरीके से सम्पन्न हो गई। बैठक में भाग 60 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। गुरुवार को विदेशी प्रतिनिधियों के कश्मीर छोड़ने पर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दावा किया कि, इस कार्यक्रम ने पड़ोसी देश (पाकिस्तान) की ओर से प्रचारित कई मिथकों की निंदा की है।

- जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार जी-20 देशों के 60 प्रतिनिधियों ने पाकिस्तान द्वारा कश्मीर के संदर्भ में फैलाये जा रहे मिथकों एवं दुष्प्रचार की कड़ी निंदा की है।
- गौरतलब है कि, यह जी-20 बैठक पांच अगस्त 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटना है।

तीसरे पर्यटन जी-20 वर्किंग ग्रुप की बैठक जो सोमवार को शुरू हुई थी, अभूतपूर्व जमीनी सुरक्षा से लेकर हवाई सुरक्षा कवर के बीच आयोजित की गई थी। श्रीनगर में बैठक में लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जी-20 बैठक पांच अगस्त 2019 के बाद से जम्मू और कश्मीर में पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटना थी, जब तत्कालीन राज्य की विशेष स्थिति को समाप्त कर दिया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि तीन दिवसीय सम्मेलन बुधवार को संपन्न हुआ और गुरुवार की सुबह विदेशी प्रतिनिधि चार्टर्ड विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुए।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिनिधियों के वापस लौटने और जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा लंबे समय तक संजोए जाने के लिए सभी अच्छी यादों को पीछे छोड़ने के साथ ही ऐतिहासिक कार्यक्रम का आज समापन हो गया।

प्रवक्ता ने कहा, इस घटना ने कई मिथकों और झूठे कश्मीर विरोधी और हमारे पड़ोसी देश द्वारा प्रचारित झूठे कश्मीर विरोधी और शांति विरोधी आख्यानों की निंदा करते हुए नए विस्तार और आशाएं खोली हैं।

प्रवक्ता ने कहा है कि कश्मीर के लोग पाक कथाओं के झूठ को देखने और हर तरह से पूरे दिल से स्वागत करने और इसमें भाग लेने के लिए विशेष प्रशंसा के पात्र हैं।

उन्होंने कहा, प्रतिनिधियों ने न केवल कश्मीर की सुंदरता का आनंद लिया बल्कि स्थानीय लोगों और उनके आतिथ्य की भी सराहना की।

पुलिस ने कहा कि लोगों के लिए पूर्ण सामान्य जीवन और व्यवसाय सुनिश्चित करने के लिए इस आयोजन के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंध कम से कम बाधक थे।

'भारतीयों का वीज़ा अमेरिका की सर्वोच्च प्राथमिकता'

नयी दिल्ली/ वाशिंगटन, 25 मई (वार्ता)। अमेरिका ने कहा है कि भारतीय वीजा प्रक्रिया में तेजी लाना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और भारत में उसकी कांसुलर टीमें वीजा प्रक्रिया तेजी से पूरा करने पर खासा जोर दे रही हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने इस मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में कहा, फिर मैं विशेष रूप से अनुरोध के साथ कहूंगा-जैसा कि यह वीजा मुद्दे से संबंधित है। हम स्पष्ट रूप से मानते हैं कि यह चिंता का विषय है और हमारी कांसुलर टीमें प्रक्रिया में तेजी लाने पर खासा जोर दे रही हैं। उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और मुझे पता है कि यह देश में हमारे दूतावास के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

- अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि, हम इस ओर पूरा ध्यान दे रहे हैं तथा बहुत जल्द पुराने वीज़ा प्रोसैस को पूरा कर लिया जायेगा।

दरअसल वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि भारत में वीजा प्रक्रिया में काफी देरी के मुद्दे पर क्या अमेरिका के नये राजदूत एरिक गारसेटी चुप्पी तोड़ेंगे।

सुलह होगी या बढ़ेगी कलह, शुक्रवार को दिल्ली में होने वाली बैठक स्थगित

राजस्थान की चुनावी रणनीति पर दिल्ली में खड़गे लेने वाले थे राजस्थान कांग्रेस नेताओं की बैठक

जयपुर, 25 मई (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सुलह हो सकती है या कलह यूं ही जारी रहेगी, इस बात का फैसला करने वाली 26 मई को दिल्ली मैं होने वाली बैठक स्थगित हो गई है। इधर, जयपुर में राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, दोनों नेताओं के बीच हो रही कलह व आंतरिक संघर्ष को लेकर बोले कि, जिस पार्टी, जिस घर में कुछ होता है लड़ाई उसी में होती है। जिस पार्टी, जिस घर में कुछ होता ही नहीं है तो उसमें क्या होगा? लड़ाई को हम कंट्रोल करेंगे।

- प्रभारी रंधावा बोले- सचिन पायलट भी कांग्रेस के नेता, पार्टी को नहीं दिया कोई अल्टीमेटम।
- गहलोत ने भी पायलट पर आक्रामक होने की जगह एकजुट होकर चुनाव लड़ने और सरकार रिपीट करने की बातें की हैं।

गुरुवार को जयपुर में बातचीत के दौरान, दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की बैठक में सचिन पायलट के शामिल होने के सवाल पर रंधावा ने कहा, " इस पर आपको कोई शक है? वे कांग्रेस पार्टी के नेता नहीं हैं क्या? कल आप बैठक में देख लेना जवाब मिल जाएगा।" वहीं सचिन पायलट के अल्टीमेटम पर रंधावा ने कहा कि, पायलट ने कांग्रेस को कोई अल्टीमेटम नहीं दिया है। जिन्हें अल्टीमेटम दिया है, वे इसका जवाब देंगे। मुझे अभी तक कोई अल्टीमेटम नहीं मिला है। अगर कांग्रेस हाईकमान को पायलट अल्टीमेटम देते तो मैं जवाब देता।

उल्लेखनीय है कि, कांग्रेस ने शुक्रवार को दिल्ली में चुनावी राज्यों के नेताओं की बैठक बुलाई थी, लेकिन गुरुवार शाम को इस बैठक को स्थगित कर दिया गया। इसमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान के चुनावों पर प्रमुखता से चर्चा होनी थी। राजस्थान प्रभारी रंधावा ने कहा था कि कल ए.आई.सी.सी. में चार राज्यों की बैठक है, चारों राज्यों की चुनावी रणनीति पर बात होगी।

इस बैठक में मुख्य मंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, चारों सह प्रभारी सहित कई नेता भाग लेने वाले थे। रंधावा ने पायलट के भी बैठक में भाग लेने की बात की थी।

प्रभारी रंधावा ने, सचिन पायलट की यात्रा और इसके बाद 15 मई की सभा में पायलट द्वारा अल्टीमेटम देने के मामले में बीच का रास्ता निकालकर सुलह करवाने के संकेत दिए हैं। एक दिन पहले ही गहलोत ने भी पायलट पर आक्रामक होने के बजाय एकजुट होकर चुनाव लड़ने और सरकार रिपीट करने की बातें की थीं।

बुधवार को गहलोत ने कहा था कि, पूरी कांग्रेस एकजुट होकर लड़े। पायलट के अल्टीमेटम के बारे में गहलोत ने कहा था कि, मीडिया बातों को ज्यादा फैला देता है, हम उस पर विश्वास नहीं करते हैं। हम मानते हैं कि पूरी कांग्रेस एकजुट होकर लड़े, हम चुनाव जीतकर आएंगे। गहलोत ने चुनावी बैठक के संदर्भ में कहा कि, हमारे यहां तो अनुशासन होता है, एक बार हाईकमान जो तय कर देता है, उस फैसले को सब मानते हैं। पहले सोनिया जी थीं, अब खड़गे साहब हैं, राहुल गांधी हैं, ये जब एक बार फैसला कर लेते हैं तो सभी लोग उनके फैसले को मानते हैं और सब अपने अपने काम पर लग जाते हैं।

दूसरी ओर सचिन पायलट ने भी ईस्टर्न रीजनल कनाल प्रोजैक्ट (ई.आर.सी.पी.) को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा इस मामले में मौन रहने को समझ से परे बताया है। दरअसल सचिन पायलट पर अब तक कांग्रेस के नेताओं की ओर से ही आरोप लगे हैं कि, वे गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर कोई बात नहीं कहते हैं। ऐसे में गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर पायलट द्वारा की गई ट्वीट से यह साफ हो गया कि, ई.आर.सी.पी. पर वे पार्टी के स्टैंड के साथ खड़े हैं।

राहुल गांधी की अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन अब आखिरी क्षणों में आए कानूनी पेंच से कांग्रेस चिंतित है। शुक्रवार को कोर्ट राहुल की पासपोर्ट के लिए एन.ओ.सी. जारी करने की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुना देगा। अमेरिका प्रवास के दौरान राहुल गांधी के सैन फ्रांसिस्को, न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन डी.सी. में कार्यक्रम हैं। वे तीनों शहरों में दो-दो दिन रहेंगे। सेंटा क्लारा के सेंटा क्लारा मैरिअट में वे 30 मई को एन.आर.आई. समुदाय से बातचीत करेंगे।

सिलीकॉन वैली में स्टैनफर्ड युनिवर्सिटी में वे 31 मई को "द न्यू ग्लोबल इक्वलीशियम" पर व्याख्यान देंगे। स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजऋनैस में सैंटर कॉ डैमोक्रेसी, डैवलपमैंट एण्ड द रूल ऑप लॉ ने यह आयोजन किया है

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बिज़नैस लीडर्स, कलाकारों के साथ भी पृथक वार्ताएं करेंगे तथा कुछ मीडिया इंटरव्यू भी देंगे।

राहुल एक और दो जून को वॉशिंगटन डी.सी. में रहेंगे वहां नैशनल प्रैस क्लब में भारतीय लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सतत व सबको साथ लेकर चलने वाले आर्थिक विकास पर व्याख्यान देंगे। सी.एन.एन. के लिए फरीद ज़कारिया के साथ इंटरव्यू की बात भी चल रही है। भारतीय मूल के एक अमेरिकी बिज़नैस मैन फ्रैंक इस्लाम उनके लिए रात्रि भोज देंगे जिसमें बिज़नैस लीडर्स और सीनेटर्स व कांग्रेस मैन शामिल होंगे।

राहुल 4 जून जाविट्स सैंटर में भारतीय मूल के अमेरिकन लोगों को संबोधित करेंगे और इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस मैम्बर्स से भी मिलेंगे।

प्रवीण सूद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एडीजीपी; प्रधान सचिव (गृह); डीजीपी (आंतरिक सुरक्षा) तथा डीजीपी (सीआईडी) शामिल हैं। उन्होंने मॉरीशस सरकार के सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने हाई नेट-वर्थ व्यक्तियों (-) से जुड़े हाई प्रोफाइल मामलों एवं अंतर-राज्यीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव वाले मामलों की जांच की और साइबर अपराध, सूचना प्रौद्योगिकी आदि सहित अपराध की जांच और ख़ोज की भी निगरानी की है। विशेष रूप से, उन्होंने सी.सी.टी.एन.एस. (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम्स) और न्यायपालिका के साथ आई सी जे एस (इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) नेटवर्क को कर्नाटक राज्य में मजबूत करने के लिए काम किया।

प्रवीण सूद को वर्ष 2011 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक एवं वर्ष 2002 में सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से अलंकृत/सम्मानित किया गया। उन्हें सेवा में उत्कृष्टता हेतु मुख्यमंत्री के स्वर्ण पदक से वर्ष 1996 में सम्मानित किया गया; वर्ष 2011 में "यातायात प्रबंधन हेतु प्रौद्योगिकी के सबसे नवीन उपयोग" के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नैन्स गोल्ड पुरस्कार एवं सड़क सुरक्षा व यातायात प्रबंधन में योगदान हेतु वर्ष 2006 में प्रिंस माइकल इंटरनेशनल रोड सेप्टी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात, प्रवीण सूद ने सी.बी.आई. के अधिकारियों से बातचीत की।

पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन तिहाड़ जेल के बाथरूम में फिसले

नयी दिल्ली, 25 मई (वार्ता)। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को गुरुवार सुबह तिहाड़ जेल के बाथरूम में फिसलकर गिर जाने के बाद दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें मामूली चोटें आयीं। तिहाड जेल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

तिहाड़ जेल के अधिकारी ने दावा किया कि आज सुबह करीब छह बजे जैन सेंट्रल जेल नंबर 7 स्थित अस्पताल के एमआई रूम के बाथरूम में गिर गए। उन्हें कमजोरी महसूस होने पर डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था।

तिहाड़ जेल के अधिकारी ने कहा कि उन्हें पीठ, बाएं पैर और कंधे में दर्द की शिकायत के बाद डीडीयू अस्पताल स्थानांतरित किया गया है।

- दिल्ली पुलिस ने बताया कि, उन्हें पीठ, बाएं पैर और कंधे पर चोटें आईं हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की तबीयत बिगड़ने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था उसे एक तानाशाह मारने पर तुला है।

केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा,जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था, आज उस भले इंसान को एक तानाशाह मारने पर तुला है। उस तानाशाह की एक ही सोच है, सबको ख़त्म कर देने की।

'राहुल और सोनिया ने किस हैसियत से छत्तीसगढ़ की विधानसभा का उद्घाटन किया था?'

भाजपा ने इतिहास की घटनायें याद दिलाकर विपक्ष और कांग्रेस को, किसी भी चीज़ के उद्घाटन में राज्यपालों और राष्ट्रपतियों को ना बुलाने के कई मौकों की याद दिलाई

नई दिल्ली, 25 मई। नए संसद भवन के उद् घाटन के मसले पर विपक्ष की ओर से जताये जा रहे विरोध को लेकर इतिहास के पन्ने पलट कर भाजपा ने कांग्रेस और विपक्ष को जमकर घेरा है। भाजपा ने भी कांग्रेस और विपक्षी दलों की ओर से राज्यपालों और राष्ट्रपति को किसी भी चीज के उद्घाटन में ना बुलाने की याद दिलाई है। भाजपा आई.टी. सैल के प्रमुख अमित मालवीय ने तो छत्तीसगढ़ की नई विधानसभा के शिलान्यस का शिलापट्ट ही सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

- भाजपा आई.टी. सैल के प्रमुख, अमित मालवीय ने तो छत्तीसगढ़ की नई विधानसभा के शिलान्यस का शिलापट्ट ही सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है। उन्होंने लिखा है कि, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने सिर्फ एक सांसद की हैसियत से छत्तीसगढ़ विधानसभा के नये भवन का उद्घाटन किया था। तब उनको राज्यपाल की याद नहीं आई थी, राज्यपाल का पद राज्य में संवैधानिक तौर पर सर्वोच्च होता है।

इस शिलापट्ट में उद्घाटन करने वाले नेताओं में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के नाम हैं। दोनों ने ही सांसद की हैसियत से उद्घाटन किया था। इसी को लेकर भाजपा ने सवाल उठाया है कि आखिर तब गवर्नर को ना बुलाकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी से क्यों उद्घाटन कराया गया। अमित मालवीय ने लिखा, छत्तीसगढ़ में विधान सभा शिलान्यास के समय (अगस्त 2020 में) गवर्नर अनुसुइया उईके जी थीं। मध्य प्रदेश के छिन्दवाड़ा से आती हैं। जनजातीय समाज से हैं। उनका नाम शिलापट्ट पर नहीं है, लेकिन सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम अंकित है। सोनिया और राहुल गांधी मात्र सांसद हैं। फिर किस प्रोटोकॉल के अन्तर्गत उनसे भूमि पूजन करवाया? गवर्नर को क्यों नहीं बुलाया? उनसे पहले शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने भी याद दिलाया था कि अपने समय में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने खुद ही संसद भवन की इमारतों का उद्घाटन कर दिया था। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बीते 9 सालों में किसी भी राज्य में उद्घाटन कार्यक्रम के लिए राज्यपाल या राष्ट्रपति को नहीं बुलाया गया।

2021 से जबर्दस्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई स्पष्ट तस्वीर नहीं है कि सरकारी नीतियों पर निर्णय कौन करता है तथा जो सलाहकार वैज्ञानिकों से पूछे बिना काम करते हैं वे आखिर किसके हित साध रहे हैं। देश की 80 करोड़ जनता 137 लाख टन फोर्टिफाइड चावल खा चुकी है जबकि इस पर कोई रिसर्च नहीं हुई है।

खेड़ा ने कहा, वैज्ञानिकों द्वारा निर्णय नहीं हुआ बल्कि ठेकेदार व सलाहकार फैसले कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसा क्यों किया? नीदरलैंड की एक कंपनी ने भारत में फैक्ट्री लगाई है और फोर्टिफाइड चावल तैयार कर 1800 करोड़ रु. कमा चुकी है। यह फर्म आधा दर्जन एन.जी.ओ. को पैसा देती है जो इसके लिए काम करते हैं।

उन्होंने कहा लौह तत्व युक्त चावल दिया जा रहा है जबकि यह थैलसीमिया व डायबिटीज़ के मरीजों को नुकसान पहुंचा सकता है।

'नई संसद के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है वे हैं भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट), नैशनल पीपुल्स पार्टी (कॉनरॉड) संगमा), नैशनलिस्ट डैमोक्रेटिक प्रोग्रैसिव पार्टी (चिंगवांग कोन्याक), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (प्रेमसिंह तमांग) राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (चिराग पासवान), अपना दल (अनुप्रिया पटेल), रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया (रामदास अठावले) तमिल मानीला कांग्रेस (जी.के. वासन), अन्नाद्रमुक (ई.पलानी स्वामी), ऑल झारखंड स्टूडैंट्स यूनियन (सुदेश महतो), मिज़ो नैशनल फ्रंट ऑफ ज़ोरामथंगा, जगन रेड्डी की पार्टी वाय.एस.आर.सी.पी.3, तेलुगूदेसम, शिरोमणि अकाली दल, बीजू जनता दल। 19 विपक्षी दलों, जिन्होंने संयुक्त वक्तव्य जारी कर मांग की थी कि उद्घाटन राष्ट्रपति से करवाया जाए, ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले दलों की लिस्ट को 2024 के चुनावों की भाजपा की तैयारी कहा और कहा चुनाव में 19 पार्टियों का मुकाबला 16 पार्टियों से होगा।

'लोकसभाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्र में इन प्रतिबंधों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है, जो महत्वपूर्ण सूचनाओं और जानकारियों को जनता तक पहुँचने से रोकते हैं तथा नके जानकारी प्राप्त करने के अधिकार का निषेध करते हैं तथा प्रैस की स्वतंत्रता को सीधा प्रभावित करते हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रतिपादित की गई है।

जहाँ विपक्ष के अनेकानेक नेता लगातार माँग करते आ रहे हैं कि संसद के सैन्ट्रल हॉल तथा प्रैस गैलरी में मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर लगे इस प्रकार के प्रतिबंध तुरन्त हटाये जायें, यह गहरी चिंता का विषय है कि प्रैस क्लब ऑफ इण्डिया तथा पत्रकारों के अन्य विशिष्ट संगठनों, जिनमें एडिटर'स गिल्ड ऑफ इण्डिया भी शामिल है, के बार-बार अनुरोधों के बावजूद, इस पत्रकार विरोधी सोच के सुधार की दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाया गया है।

'कर्नाटक में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस एक "पुजारी प्रकोष्ठ" बनाया है।

वर्ष 1995 और 2008 में जारी मध्यप्रदेश लैंड रैवेन्यु कोर्ड ने एक सर्कुलर जारी किया था जिसके बाद मंदिरों के रैवेन्यु रिकॉर्ड से पुजारियों के नाम हटा दिए गए थे और वे सिर्फ केयर टेकर बन कर रह गए।

इस निर्णय ने पुजारियों को नाराज़ कर दिया क्योंकि इसके बाद वे ना तो जमीन को बेच सकते थे और ना ही किसान क्रेडिट कार्ड, खाद सब्सिडी, कर्ज राहत जैसी कृषि कल्याण जोनाओं का फायदा ले सकते थे। कांग्रेस ने इस अवसर को भाजपा के हिंदुत्व वोट बैंक तक पहुंचने का जरिया बना लिया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908